(b) The issue raised in the Indian Express dated 3rd August 1992 concerns 32 refugee families living in 4 large dormitories since 1966-67. During the last 25 years, the number of inhabitants belonging to the 32 original families have increased leading to the problem of congestion. The residents were asked to temporarily shift from Kasturba Niketan Home to the flats offered by DDA at Sarai Kale Khan, so that plots to be allotted to them at Kasturba Niketan Home Complex could be developed for construction of their houses there, but they declined this offer. The action to rehabilitate them can. only be taken, if they temporarily shift from the Kasturba Niketan Home Complex.

नशीले पदार्थों के सेवन में वृद्धि

4662. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी** : क्या **कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नशीले पदार्थों का सेवन तीव्र गति से बढ़ता जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस संबंध में कोई सर्वेक्षण कराया गया है और उस सर्वेक्षण के क्या निष्कर्ष निकले हैं; और

(ग) सरकार ने नशीले पदार्थों का सेवन रोकने के लिए क्या प्रयास किए हैं और गत दो वर्षों के दौरान कितने सुधार केन्द्र खोले गये हैं ?

कल्याण मंत्री (श्री सीता राम केसरी) : (क) और (ख) जी, हां। नशीली दवाओं के पंजीकृत व्यसनियों की संख्या जो 1991-92 में 2,53,212 थी वह बढ़कर 1992-93 में 2,70,173 हो गई है। मंत्रालय द्वारा 1990 में 33 नगरों और नशीली दवाओं के प्रवण क्षेत्रों में किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि 16-35 वर्ष का आयु समूह सबसे अधिक प्रभावित है। सर्वेक्षण के मुख्य निष्कर्षों के बारे में एक विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिये)**

(ग) कल्याण मंत्रालय नशीली दवाओं के व्यसनियों को परामर्श, उपचार तथा पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने हेतु परामर्श, निर्व्यसन तथा उत्तरवर्ती देखभाल केन्द्रों को चलाने के लिए स्वैच्छिक संगठनों का वित्त पोषण कर रहा है। पिछले दो वर्षों के दौरान स्थापित किए गए केन्द्रों की संख्या इस प्रकार हैं :—

1991-92	72	केन्द्र
1992-93	49	केन्द्र

विवरण

अध्ययन का निष्कर्ष (1990)

इन अध्ययनों के मुख्य निष्कर्ष इस प्रकार हैं :—

(1) नशीली दवाओं का व्यसन सभी धर्मों तथा जाति समूहों के बीच पाया जाता है। यह नहीं कहा जा सकता है कि कोई खास धर्म इससे अधिक प्रभावित या इसका आदि है। जाति समूहों के लिए भी यही बात है।

(2) नशीली दवाओं के दुरूपयोग करने वालों में अधिकतर साक्षर हैं।

(3) ऐसा प्रतीत होता है कि अत्यंत प्रभावित आयु समूह 15-35 वर्षों के बीच है।

(4) ऐसा प्रतीत होता है कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग के मुकाबले वैवाहिक स्थिति का कोई विशेष महत्व नहीं है।

(5) नशीली दवाओं के व्यसनियों में निम्न आय समूह एक महत्वपूर्ण अनुपात में शामिल है।

(6) व्यसनी बनने में अकेलेपन का कोई योगदान नहीं है।

(7) नशीली दवाओं के व्यसनियों का एक बृहत अनुपात या तो बेरोजगार श्रमिकों, परिवहन कर्मचारियों अथवा विद्यार्थियों का है।

(8) प्रयोग में लाए जाने वाली अधिकांश नशीली दवाएं हैं भांग और उसके बाद हीरोइन।

(9) ऐसा प्रतीत होता है कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रति सबसे बड़े अंशदायी घटक साथियों का दबाव तथा उत्सुकता ।

(10) मूर्ति का आम स्रोत है दुकानदारों के माध्यम से कार्यरत फेरी वाले तथा पान वाले।

(11) कल्याण एजेंसियों द्वारा पहचान, परामर्श, उपचार तथा पुनर्वास में निभाई जाने वाली भूमिका के संबंध में कुछ क्षेत्रों में शायद और चेतना निर्माण की आवश्यकता है ।

Non-payment of scholarship to SC/ST in Bihar

4663. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the indents belonging to scheduled castes, soneduled tribes and other backward classes have not been given scholarships since 1990 in the State of Bihar;

(b) if so, what are the details thereof and the reasons for not paying the scholarhips; and

(c) what corrective measures Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF WELFARE (SHRI SITARAM KESRI): (a) The State Government have reported that students belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other backward dashes in Bihar have been given scholarships since 1990-91 onwards.

(b) and (c) Question does not arise.

Report of Parliamentary Committee on Welfare of SC/STs

4664. SHRI ANAND PRAKASH GAUTAM: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) whether complete report of Parliamentary Committee on Welfare of SC/STs for the year 1992-93 has been received by the Government;

(b) whether recommendations of all reports of Parliamentary Committee for the last three years have been considered and accepted by Government;

(c) if so, the details thereof;

(d) if not, the reasons therefor;

(e) whether the meeting of High Powered '"jmmittee for SC/STs is being fixed within one month as the last report of Parliamentary Committee has been received by Government;

(f) if so, whether recommendations of all reports of last ten years are likely to be considered in the meeting; and

(g) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF WELFARE (SHRI SITARAM KESRI): (a) Yes, Sir.

(b) to (d) The Committee in their Reports submitted to the Government have made several recommendations pertaining to different Ministries/ Departments of the Government and these are at different stages of examination/acceptance.

(e) to (g) The Parliamentary Committee had recently studied the reservation policy and made certain reommendations. The Government will consider convening a meeting of the High Powered Committee after those recommendations are discussed in Parliament.

Production of cummhiseeds

@4664-A. SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what is total annual sessional production of cumminseed in country, Statewise in last five years;

©Previously UnStarred Question 3529, transferred from 23 rd August, 1993.